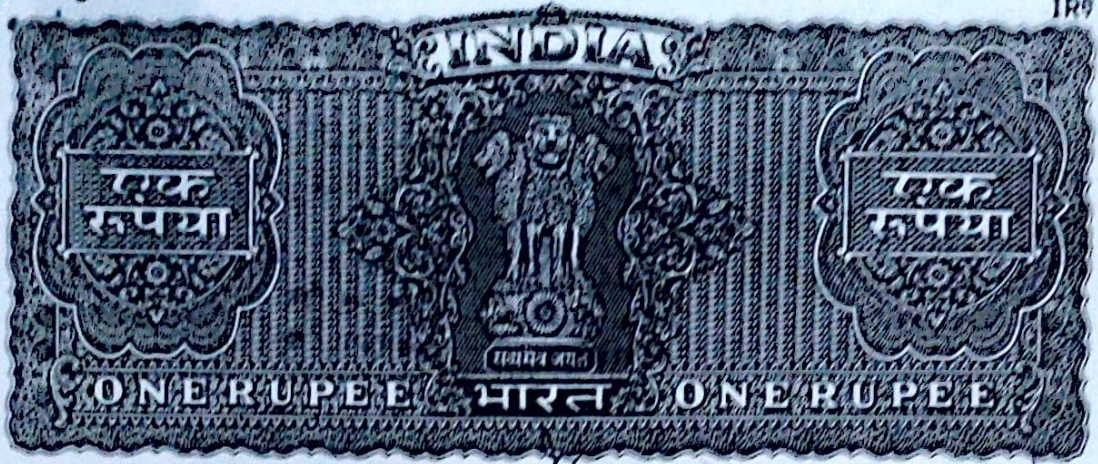


सचची प्रतिलिपि

निवन्धन - पदाधिकारी

१५/५

- १ लेखकरी - श्री सिमोन उरांव पिता का नाम स्वर्गम खेदुवा उरांवजाति उरांव व्यवसाय खेती वारी निवात ल्पन गोतरा टोला ठाकु टोली प्रगना वीठ थाना सिमडेगा जिला गुमला शपथ पत्र संख्या १६ दिनांक १६-८-१९१९ ई " विक्री "।
- २ लेखकरी - श्रीमती मिली टोपो पति का नाम जीवित श्री हेरमन टोपो जाति उरांव व्यवसाय नौकरी निवात ल्पन गोतरा टोला डिपटी टोली प्रगना वीठ थाना सिमडेगा जिला गुमला शपथ पत्र संख्या १६ दिनांक १६-८-१९१९ ई भारतीय " जेतीका "।
- ३ लेखकरी - विक्रय पत्र नेवाला नीला चलाही पुत्र पुत्रादिक हरे बादिगरे ल्पदिने ले लिए खला दुबडा विक्री टोला है।
- ४ मूल्य - मोनलीग पंचक हजा (हयमे डंके मो. २५०००/- रुपये जियका साधा मोनलीग पचक हजार हयमे डंके मो. २५०००/- रुपये होता है।
- ५ सम्पति - सराजियात अन्द (मौजा गोतरा का उच्चमत खास हैमती मध दखली जमीन अन्द (खाता नम्बर २३६ का एक ह्राट २० जमीन का दुबडा टरवा २५ डिस्मील (पचीस डीस्मील) सिर्फ जियका पुरा विनशा नीचे दिधा गया है।
- ६ चक मुक लेखकरी को मन्त्रान काने ले लिए रुपये की निहायत जरूरी है और इत समय रुपये प्राप्त करने का अपनी जमीन विक्री करने के सिवाय और कोई उल्म उपाय नहीं है। अतः मैंने उपयुक्त लेखकरीणी श्रीमती मिली टोपो से मेरी उक्त जमीन नेवाला तरीके की प्रार्थना की



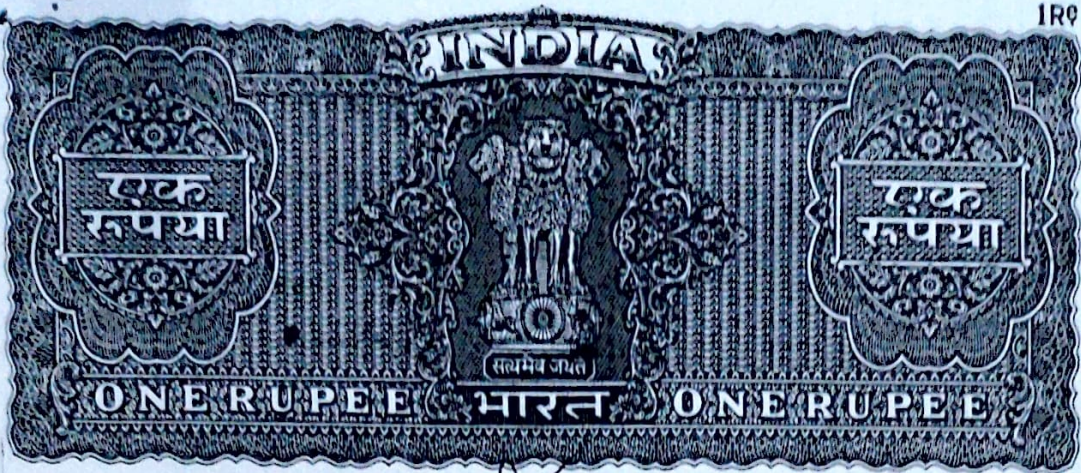
और उन्होंने जमीन के मालिकों को खरीदने का अधिकार दिया।

2. उद्योग में वे अपनी इच्छा से मूल और शरीर की स्वतंत्रता में उपलब्धता संस्था पांच में वहीत जमीन उपयुक्त लेखनधारियों प्रीमती मिली टोपों के साथ मौलिक 20,000/- पचास हजार रुपये के कुल मूल्य प्राप्त किया और इस जमीन का मालिकता को एक एक कृषक तथा धारा अधिकार उक्त लेखनधारियों को तथा उनके उत्तराधिकारी जो हैं और जो लोग उन्हें स्वतंत्रता दे दिया, अब से इस जमीन पर मेरा कोई एक वा अधिकार नहीं रहा और न मेरे किसी उत्तराधिकारी या धारणापत्र का।

3. मैं प्रतिज्ञा करता हूँ कि इस जमीन पर मेरा एक वा दखल न होगा निर्विवाद है और चूंकि इस उम्र में पदा आदिवासी वर्ग के हैं (अनुसूचित जाति जाति के हैं) अतः प्रीमती अनुसूचित पदाधिकारी महोदय सिन्डेगा से दुरानागपुर न्यायाधीश आदिपत्र के दफा 86 के अधिन जमीन विक्री करने को आवश्यक अनुमति लेनी पड़ी जो मुहम्मद संस्था रेम-5 (बी) गवर्नर विमान उद्योग ननाम प्रीमती मिली टोपों है और जिस दिनांक 27/11/1957 को अनुमति मिल गई है तथा साथ संस्था 30 (ii) दिनांक 01-11-1957 को इस की प्रतिनिधि एनरजिस्ट्रार सिन्डेगा को भेजी गई है। अतः इस जमीन पर किसी प्रकार का मर या मरगाद का कर या नोट देना नहीं है।

4. अतः यह विक्रम पत्र के मालिकों को न्यायाधीश एनरजिस्ट्रार के लिए दिया कि पता है।

जमीन का पुरा विक्रम - मैंने मौजा गौतरा प्रगना नीरु खाना सिन्डेगा के रजिस्ट्रार को देकर सिन्डेगा सवर रजिस्ट्रार को देकर एक



जिला गुमला डूंगर पाना नमर 20 खेनर नमर 22 साता नमर 23 द
 हार नमर 20/0 (हार नमर पांच हजार नमर) नामे देरंग 215
 215 II रकना 8 रु 23 डी मध्ये मेसे रकना 25 डीजमीन वचिण
 चौहवी. उत्तर 215 मरम उरवे दनिा 215 (वागान) कुमील लरुडा प्ररु
 धर वारी अरण कुजर हं पच्छिम में दोन अंधरियल उरवं का रे
 कुल रकन साता का रकन हार 215 जमीन का रकना 25 डीसमील (फमील
 डिमील) विरु जिस्का लागन 2 पैसे (दो पैसे) अलवे सेरु प्रतिनरु
 अज चाहिए कि लेखधारिणी मजकुर इह जमीन पर काबीज दखलका
 होकर नो ररु कर प्रतिवर्ष खेती वारी कर फसल आवद करे
 या मरम कुवा नागान इत्यादि कावे या जे सा तरे अपने कुनिधा
 नुसार उपयोग करे। और जमीदार निहार परकार के अंमल
 कारीलम सिमडेगा ले अपने नाम दसील खरीज करे कर वा.
 लेख ले प्रतिनरु मिश्चर लागन उरु कर साठ रसद लिभा करे
 लिफिकर - शिवकुमार हुवे नाडद सिमडेगा कचहरी लावन- 9/23 निरुम
 पत्र का यह मजकुर उमर पत्र तथा साक्षियो के पत्र लिखनो
 पद कर हुना दिभा हुन कर नो पद कर दस्तावेज मजूरर विरु
 आज दिनांक 16-8-19 एसी में घोषणा करता है कि उरु
 निरुम जमीन रक विक्री के बाद नयने नाली जमीन क्षीण के
 अन्तर्गत नही है। एही सिमोन उरवं वा 16-8-19 (एही सिमोन
 उरवं साक्षिन गोतरा मजकुर टोली बाल सिमडेगा कचहरी मो-2000) रु
 कुन्द पत्र 25 डीह जमीन विक्री क्रिया हो रीक है 16-8-19 गो.
 जारु साहु वलद जतरु साहु साक सिमडेगा है उरु पाना सिमडेगा जिला
 गुमला तिनि 16-8-19 एही सिमोन उरवं वा 16-8-19 गो एही
 नरुवल पुती ग्राम खुरी टोली बाल सिमडेगा कचहरी वा 16-8-19



सही सिमोन उरांक ता. १६-४-८९
 सही सिमोन उरांक ता. १६-४-८९
 नं. ५२/२७.२.९ श्री सिमोन उरांक नन्द स्व. खेडुवा उरांक का. बोला/कुल
 बोली चना सिमडेगा जिला गुमला नो पत्रांक ५२ दिनांक २७.२.९ के द्वारा
 अन्वामिक मुद्रांक ६ ३३७५९- (वीन खाल वीन ली पच्छेतर) समक का
 निर्गत क्रिया गया रु १०००x३ = ३०००.०० + २००.००x१ = २००.००
 १००.००x१ = १००.०० + ७५.००x१ = ७५.०० = ३३७५.०० रु.

अस्पष्ट २७.२.९। स्थान सहायक उपनिषागा सिमडेगा नं. ५२/२७.२.९।
 के द्वारा अन्वामिक मुद्रांक निर्गत क्रिया गया रु. अस्पष्ट २७.२.९।
 स्थान सहायक उपनिषागा सिमडेगा नं. ५२/२७.२.९। के द्वारा अन्वामिक
 मुद्रांक निर्गत क्रिया गया रु. अस्पष्ट २७.२.९। स्थान सहायक उप
 निषागा सिमडेगा नं. ५२/२७.२.९। के द्वारा अन्वामिक मुद्रांक निर्गत
 क्रिया गया रु. अस्पष्ट स्थान सहायक उपनिषागा सिमडेगा नं. ५२/२७.२.९।
 के द्वारा अन्वामिक मुद्रांक निर्गत क्रिया गया रु. अस्पष्ट २७.२.९।
 स्थान सहायक उपनिषागा सिमडेगा।

प्रतिनिधिक स्वतः नामक

अख्यौरी कहेया प्रसाद

५. ७. १९९९

No. 270/91

Stamp Rs 1000.00 + 1000.00 + 1000.00 + 200.00 + 100.00 + 75.00 = 3375.00

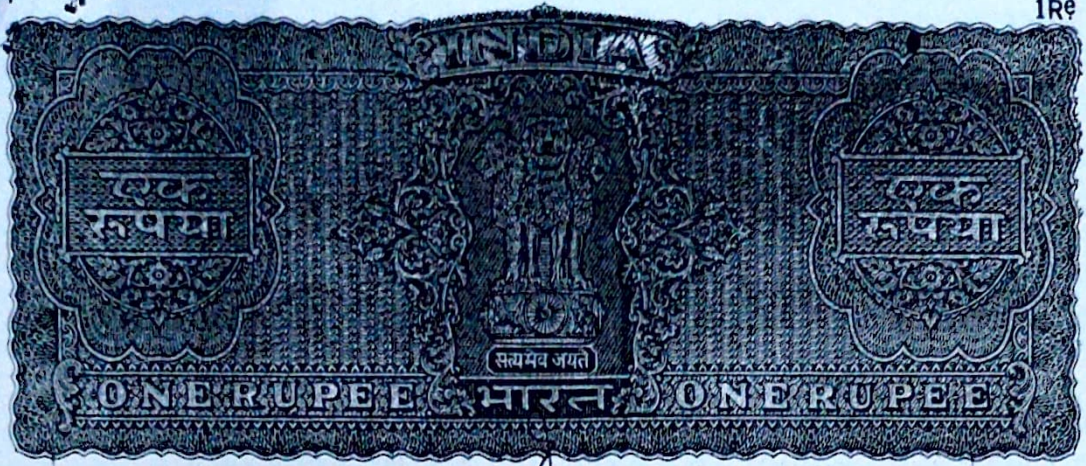
बचत बैंक अधिनियम १९५६ के अन्तर्गत
 भारतकारी अधिनियम १९५६ की धारा।
 SE (Cypr) (C) के अधीन
 १९५६ में जारी किया गया
 (पा. २७.२.९) १९९९ की प्रसूची
 १ या १ के माध्यम से
 प्रतिनियमित रूप से
 प्रहित (या स्थान पर प्रहित नहीं है)
 वा. स्थान गुरु प्रसूचित नहीं है।

२०.१९९९
१६.५.९९

[Signature]

निर्वाहक प्रशासक
१७.५.९९

[Signature]



१५-४-५६ ६६ का प्रवाहन/अपराध

सिमांत में लेखनीय का

संख्या का सन के दिने

...

...

सिमोन उरांके

...

गोटा बाकुट डोली पाना (मि. ५१)

उरांके खेती

...

अ. डी. डाल

१७-५-९१

सही सिमोन उरांके ता १६-४-५६

उपपत्र श्री सिमोन उरांके ने लेखन न निम्न दन खोजा कि है
जिनकी पहचान श्री जीतु साह पिता का नाम श्री जतर साह
सह आमीबा पेशा खेती है ने ही है।

T.N. 24/12-91 सही सिमोन उरांके ता १६-४-५६

T.N. 25/12-91 सही जीतु साह निधि १६-४-५६

अ. डी. डाल

१७-५-९१

प्रतिनिधिक स्वतः चयन

अखंडी कहेया प्रसाद

उ ७ ५ प्र.स.

नि. ५

अ. डी. डाल
नि. ५